Exam. Code : 216304
Subject Code: 5365

M.A. (Hindi) 4th Semester (Batch 2020-22)

UTTAR KAVYADHARA KE SANDARBH ME GURU TEGBAHADUR JI KI BANI KA VISHESH ADHYAN

Paper—XX Opt. (i)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

सूचना :— प्रत्येक भाग में से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न करें। **पाँचवा** प्रश्न किसी भी भाग में से किया जा सकता है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

भाग—क

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(i) साधो रचना राम बनाई।।
इकि बिनसै इक असथिरू मानै अचरजु लखिओ न जाई।।
काम कोधु मोह बसि प्रानी हरि मूरति बिसराई।।
झूठा तनु साचा करि मानिओ जिउ सुपना रैनाई।।
जो दीसै सो सगल बिनासै जिउ बादर की छाई।।
जन नानक जगु जानिओ मिथिआ रहिओ राम सरनाई।।

Scanned with CamScanner

(ii) हरि बिनु तेरो को न सहाई।।
कांकी मात पिता सुत बनिता को काहू को भाई।।
धनु धरनी अरू संपति सगरी जो मानिओ अपनाई।।
तन छूटै कछु संगि न चालै कहा ताहि लपटाई।।
दीन दइआल सदा दुखभंजन ता सिउ रुचि न बढ़ाई।।
नानक कहत जगत सभ मिथिआ जिउ सुपना रैनाई।।

2. (i) साधो गोबिंद के गुन गावउ।
मानस जनमु अमोलकु पाइओ बिरथा काहि गवावउ।।
पतित पुनीत दीन बंध हरि सरनि ताहि तुम आवउ।।
गज को त्रासु मिटिओ जिह सिमरत तुम काहे बिसरावउ।।
तजि अभिमानु मोह माइआ फुनि भजन राम चितु लावउ।।
नानक कहत मुकति पंथु इहु गुरमुखि होई तुम पावउ।।

(ii) गुन गोबिंद गाइओ नही जनमु अकारथ कीन।।
कहु नानक हरि भजु मना जिहि बिधि जल कौ मीन।।
बिखिअन सिउ काहे रचिओ निमख न होहि उदास।।
कहु नानक भजु हरि मना परै न जम की फास।।
तरमापो इउ ही गइओ लीओ जरा तनु जीति।।
कहु नानक भज हरि मना अउध जातु है बीति।।

भाग—ख

3. हिन्दी साहित्य में गुरू तेग बहादुर जी का स्थान निर्धारित करें।

4. गुरू तेग बहादुर की वाणी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालें।

Scanned with CamScanner

भाग—ग

5. गुरू तेग बहादुर की वाणी में पौराणिक संदर्भ को विस्तारपूर्वक स्पष्ट करें।

6. गुरू तेग बहादुर की वाणी में गुरुमत दर्शन का संकल्प स्पष्ट करें।

भाग—घ

7. गुरू तेग बहादुर की वाणी का परवर्ती पंजाब के हिन्दी साहित्य पर प्रभाव स्पष्ट करें।

8. गुरू तेग बहादुर की वाणी की राग-योजना पर प्रकाश डालें।

Scanned with CamScanner